



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.10.2020	03	02-06

# विदेशियों को भी भाया वर्चुअल कृषि मेला

एचएयू में चल रहे मेले से 56 हजार लोग जुड़े यूएसए, चीन और इंडोनेशिया के 370 नागरिक पहुंचे

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला का बुधवार को समाप्त हुआ। दो दिनों में 56 हजार लोग एचएयू के कृषि मेला की वेबसाइट के जरिए जुड़े। कृषि मेला में यूएसए, चीन व इंडोनेशिया से 370 लोगों ने प्रतिभाग किया है। समाप्त कार्यक्रम में डिटी स्पीकर रणवीर गंगवा बतौर मुख्य अधिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

### पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आहवान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली न जलाएं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें, ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने विज्ञानियों से आहवान किया कि वह ऐसी किसी विकसित करें, जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।



वर्चुअल कृषि मेले के समाप्त अवसर पर संबोधित करते हरियाणा विद्यानगर के उपायक्ष रणवीर सिंह गंगवा। कार्यक्रम में वीसी प्रोफेसर समर सिंह व अन्न। ● पीआरओ।

### मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक ट्रूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में

विना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। इस मेले में देश-विदेश से भी किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के 370 लोग शामिल हुए।

### यह रहे मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समाप्त अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डा. एमएस सिंहपुरिया, कुलसचिव डा. वीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डा.

आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, वीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डा.

राजवीर सिंह, डा. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	01	01-04

### आपदा में अवसर • भविष्य में फिजिकली के साथ वर्चुअल मेला भी आयोजित करेगा एचएयू एचएयू वर्चुअल कृषि मेले ने पीएयू का टोड़ा रिकॉर्ड दो दिन में साइट पर 1.60 लाख से अधिक हिट्स

महबूब अली | हिसार



एचएयू के पहले वर्चुअल कृषि मेले ने कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के दूसरे वर्चुअल कृषि मेले को लुधियाना में पीएयू के कृषि मेले से भी अधिक व्यूज मिले। दो दिन में देखने वालों की संख्या डेढ़ लाख पहुंच गई। एचएयू के पदाधिकारियों का दावा है कि लुधियाना की पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वर्चुअल कृषि मेले को दो दिन से डेढ़ लाख से कम व्यूज मिले। एचएयू के अधिकारियों ने पीएयू में ही वर्चुअल मेला आयोजित कराने की ट्रेनिंग

हिसार वर्चुअल कृषि मेले के समापन पर कार्यक्रम में वीसी प्रो. समर सिंह, डॉ. आर. एस. हुड्डा, डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

ली थी। यही नहीं दो दिन में मेले सिंह का कहना है कि मेले में यूएसए, में शामिल होने के लिए एचएयू की चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 वेबसाइट पर 32 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। अब भविष्य में किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर फिजिकली के साथ वर्चुअल मेला भी कराने का निर्णय लिया है।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन पर वीसी के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमएस सिंहपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, चीफ इंजीनियर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ठांडा, एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. आरएस छिल्लो, डॉ. देविंद्र कुमार मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.10.2020	04	03-06

# फसल चक्र अपनाएं किसान : रणबीर गंगवा

एचएयू का दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला संपन्न, मेले में करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक लाभ भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। यह बत द्वारा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कही।

वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषित होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे।



विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा व कार्यक्रम में मौजूद विद्यि के कुलपति।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया और करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। मेले में यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित के बीज व तकनीकों को अपनाने पर जोर

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद : मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुइडा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. सीमा रानी के अलावा कृषि विज्ञान केंद्रों के इचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

दिया। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील किया ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.10.2020	02	03-06

### टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : गंगवा

#### ■ एच.ए.यू. के 2 दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन

हिसार, 14 अक्टूबर (ब्यूरो): गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की बचत होगी, वहां दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने

की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें, ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किसिमों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें।



वर्चुअल कृषि मेले को ऑनलाइन सम्बोधित करते हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा व कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह एवं अन्य।

### पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके।

इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। मेले की वैबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार बार मेले की वैबसाइट को देखा गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यू.एस.ए., चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.10.2020	09	07-08



हिसार। वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा, कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

## फसल विविधिकरण व टपका सिंचाई व अपनाएं किसान

हरिभूमि न्यूज़ ► हिसार

गिरते भूमिगत जलस्तर तथा कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की बचत होगी। वहीं किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ

निले डेढ़ लाख से

### अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में मैं एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद मैं बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसके अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूरोप, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक द्रिव्यून	15.10.2020	03	04-05

**हक्कवि में वर्चुअल कृषि मेला संपन्न**

# पराली को न जलाएं किसान : गंगवा टपका सिंचाई अपनाने की सलाह

हिसार, 14 अक्टूबर (निस)

**डेढ़ लाख ने विजिट  
की वेबसाइट**

हक्कवि द्वारा आयोजित वर्चुअल वार्षिक कृषि मेले के समापन पर गिरते भूमिगत जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने किसानों से आह्वान किया कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधीकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक तरफ जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी तरफ किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। डिप्टी स्पीकर ने किसानों से आह्वान किया कि किसान धान की पराली को जलाने की बजाय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में मैं एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि मेले में विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

शक्ति भी बनी रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों का आह्वान किया कि किसान पर्यावरण को बचाने के लिए पराली को न जलाएं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	14.10.2020	05	01-02

हिसार, 13 अक्टूबर (निस)

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने वर्चुअल कृषि मेले का ऑनलाइन उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते लगभग सभी उद्योग धंधे चौपट होने की कगार पर थे। जिससे देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी, लेकिन इस संकट की घड़ी में केवल किसान की मेहनत ने ही देश की अर्थव्यवस्था को बचाने में अहम भूमिका निभाई। हकूमत ने इस वर्ष के मेले का मुख्य विषय फसल अवशेष प्रबंधन रखा है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस संकट की घड़ी में फिजिकली मेले का आयोजन बहुत ही कठिन कार्य था, लेकिन किसानों के हित को ध्यान में रखकर इसे वर्चुअल कृषि मेले के रूप में आयोजित करने का फैसला लिया। कृषि मेले के शुभारंभ पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी व वैज्ञानिक उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी	15.10.2020	--	--

### फसल अवशेष प्रबंधन पर दो दिवसीय वर्चुअल मेले का समापन बाबल कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों के लिए वर्चुअल मेले में भाग लेने के लिए थी व्यवस्था

अमर उजाला रेवाड़ी

रेवाड़ी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम वर्चुअल किसान मेले का मंगलवार को समाप्त हो गया है। कृषि विज्ञान केंद्र बाबल द्वारा प्रतिशील किसान व महिला किसानों के लिए केंद्र के प्रांगण में ही देखने की व्यवस्था की गई। यह देश में दूसरा व प्रदेश में पहला इतना बड़ा मेला मेला होने की बात कही जा रही है। मेले का थीम विषय फसल अवशेष प्रबंधन था। मेले के मुख्य अधिकारी प्रदेश के कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्री जयपी दलाल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते केवल किसान की मेहनत ने ही देश की अर्थव्यवस्था को बचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने किसानों से परंपरागत खेती की वजाय कृषि विविधीकरण को अपनाने



वर्चुअल मेले में भाग लेने किसान। संवाद

का आल्वान किया तथा किसान समूह प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में टिके रहने के लिए किसानों को अधिक आमदानी के लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाना बेहद जरूरी है। प्रो. समर सिंह ने कहा कि एक आम किसान इतना समृद्ध नहीं होता कि वो अपने स्तर पर भंडारण व महंगी तकनीकों को वहन कर सके। इसके लिए समर सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर

किसान उत्पादक समूह बनाकर आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी वस्तुओं का भंडारण कर सकते हैं ताकि जब बाजार में अच्छे भाव मिले तब अपनी उपज बेच सके। कृषि विज्ञान केन्द्र बाबल के वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगिंद्र यादव ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में रेवाड़ी जिले के हजारों किसानों ने अपना पंजीकरण कराया व विश्वविद्यालय की साइट कि विजिट किया। किसान एप के द्वारा विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न फसलों व सब्जियों के उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए। वर्चुअल मेले के दोनों दिन 60 से अधिक किसानों ने केंद्र के प्रांगण से ही मेले का अवलोकन किया व बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर किसान प्रश्नोत्तरी में भी किसान ने हिस्सा लिया व अपनी समस्याओं के समाधान प्राप्त किए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी फरीदाबाद	14.10.2020	--	--

### घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं खेती संबंधी आधुनिक जानकारी : डा. यादव

फरीदाबाद, 12 अक्टूबर (व्यूरो) : जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष कृषि मेले का मुख्य उद्देश्य फसल अवशेष प्रबंधन रहेगा। इस मेले में प्रगतिशील किसानों की कहानी उन्होंकी जुबानी बताई जाएगी। मेले में रबी फसलों की नवीनतम किस्में, कृषि संबंधित वर्चुअल कृषि मेले का आयोजन 13-14 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस मेले में भाग लेने के लिए किसान अपने मोबाइल से पंजीकरण करवाए।

**आज और कल चौधरी  
चरण सिंह हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय  
हिसार द्वारा वर्चुअल कृषि  
मेले का आयोजन**

तथा कृषि मेले को लाइव देख सकते हैं। मेला देखने के इच्छुक किसानों व वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें हिसार जाने की जरूरत नहीं है। वे घर बैठे ही अपने मोबाइल से इसे देख सकते हैं तथा मेले के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा खेती से संबंधी आधुनिक

व वैज्ञानिक जानकारी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। किसानों के लिए विशेष व्याख्यान सत्र में किसान कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर कृषि व संबंधित विषयों पर समस्याओं के सवालों का जवाब ले सकते हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर महेन्द्रगढ़	15.10.2020	--	--

## वर्द्धुअल मेले का किसानों ने उठाया लाभ

महाराष्ट्र | कृष्ण जिनम केंद्र, मोरोगड  
पीठापार पर जिने के 3.0 विस्तार ने  
पश्चिम अंकोर प्राचीन विश्वा पर यो  
दिव्यांग वर्षीय उत्तराञ्चल विद्याम में से  
उद्भवान के लिए विश्वांगमने  
ने उद्भवान के लिए विश्वांगमने  
अंकोरवाहन धारा दिला। कृष्ण मेंट का  
उद्भवान व विश्वांगमने द्वारा किया  
गया। विश्वांगमने वर्षीय अंकोरवाहन के  
स्थान में जैवी दृष्टिकोण कृष्ण एवं विश्वांगमने  
कल्पना की गयी गढ़वाल। ऐसे की  
अंकोरवाहन विश्वांगमने विश्वांगमने  
विश्वांगमने विश्वांगमने विश्वांगमने



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी	15.10.2020	--	--

# दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला कल से

अमर उजाला ब्यूरो

**रेवाड़ी।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 अक्टूबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में कृषि विज्ञान केंद्र बाबल से 25 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश में पहली बार इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है। किसान विश्वविद्यालय द्वारा जारी लिंक के माध्यम से किसान एप डाउनलोड कर मेले में जुड़कर बीज के लिए भी आवेदन भी कर सकते हैं।

केवोक बाबल के डॉ. जोगेंद्र यादव ने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला इस बार वर्चुअल रूप से किया गया है। विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी में अवसर में बदलते हुए वर्चुअल कृषि मेले

### बीज के लिए किसान करा सकेंगे ऑनलाइन बुकिंग

इस एप के माध्यम से किसानों ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध फलों व मूल्यवानों के बीचों को विस्तृत जानकारी प्रिल सकेगी। किसान तुरंत ऑनलाइन बीज के लिए बुकिंग भी करा सकेंगे। किसानों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र बाबल में बीज को भेजने की व्यवस्था की गई है। मेले में अधिक किसानों को भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रधारियों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। केंद्रों के प्रधारी किसानों के माध्यम समाजिक दूरी, मास्क व सैनिटाइजर्स का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाट्साप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले के लिंक भेज कर उन्हें जोड़ने का काम किया जाएगा। वर्चुअल किसान मेले में किसान अपने समाजों के जवाब के लिए वैज्ञानिकों के पैनल से शय भी से सकेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 13 व 14 अक्टूबर शाम 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रस्तोताएँ सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर सकते हैं।

का को आयोजित करने का फैसला लिया गया है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े उन्हें हर प्रकार को कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे प्रिल सकेगी। वर्चुअल मेले में भाग

लेने के लिए कोई भी किसान एवं एक्यूक्रियमेलाइटिकाम पर जाकर किसान गृह से द्वारा से एप डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्राइड फोन में इंटरनेट सुविधा होना अनिवार्य है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
संवाद सहयोगी	15.10.2020	--	--
महेन्द्रगढ़			

### वर्चुअल किसान मेला में किसानों ने लिया भाग

**संवाद सहयोगी, महेन्द्रगढ़:** कृषि विज्ञान केंद्र महेन्द्रगढ़ परिसर पर जिले के 30 किसानों ने फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेला (रबी)-2020 के उद्घाटन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण में ऑनलाइन भाग लिया। कृषि मेला का उद्घाटन व शुभारंभ मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अतिथि के रूप में जयपी दलाल कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री मौजूद रहे। मेले की अध्यक्षता प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई। मेले के लिए जिले महेन्द्रगढ़ से करीब 500 किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया था। मेले के पहले दिन फसल अवशेष प्रबंधन देवरी पशुओं में बांधपन की समस्या का प्रबंध विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मेले के आयोजक द्वारा आरएस बहदूर ने बताया कि ऑनलाइन कृषि में किसान घर बैठ मोबाइल या कंप्यूटर पर ऑनलाइन कृषि मेले का अवलोकन कर सकते हैं। कृषि बंजारों व उपकरणों का



महेन्द्रगढ़ में वर्चुअल किसान मेला में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर जानकारी देते चिकित्सक • जागरण नवीनतम तकनीकों, कृषि विश्वविद्यालय के सभी विभागों की नई स्रोतों, फसल अवशेष प्रबंधन की नई तकनीकों की जानकारी पा सकते हैं।

इसके अलावा उन्होंने बताया की रबी फसलों के बीज की ऑनलाइन बुकिंग बीज के नजदीक केकेबीके पर उपलब्ध कराए जाएंगे। मेले में किसान कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन सीधा संवाद



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.10.2020	--	--

### हिसार/अन्य

पांच बजे 3

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समाप्त, करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

## टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : रणबीर गंगवा

### पांच बजे ब्लूज

हिसार गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होते जमीन की उचित शर्कित की बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण का अनुभाव होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की बचत होती रहती हूँसी और किसान को अधिक समर्थन भी होगा और पर्यावरण भी सुधार रहेगा। ये विचार हरियाणा किसानतमाना के उपचालक श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समाप्त अवसर पर बहार मुख्यालिखि भाले रहे। उन्होंने किसानों से आवाजन लिया कि वे धान की पाली वो जलाने की बताएँ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताएँ गए गतिरोक्ति से ही पराली का उचित प्रबन्धन करे ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उचित शर्कित की भी अग्रल किया जाए। इससे प्रशान्तिरूपी नई मालों के किसानों की आय को दोगुण करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समग्र बनाकर कृषि करने की भी अग्रल कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समृद्ध में



अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सम्बन्धीय की आधिकारिक किसानों के बीच व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से पर्यावरण फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रशान्तिरूपी नई मालों के किसानों की आय को दोगुण करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समग्र बनाकर कृषि करने की भी अग्रल कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समृद्ध में

विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. समर सिंह ने मुख्यालिखि का कार्यक्रम में औरतानन् रूप से शामिल होने पर स्वाक्षर किया और विश्वविद्यालय द्वारा अग्रीजत मेले के बारे में विश्वविद्यालय जाकरोरी दी। उन्होंने किसानों से उल्लेख बताया कि इससे अलावा इस आवाजन किया वे वे पर्यावरण की बचाने के लिए पराली का न जालाएं। वैज्ञानिक तीके से इसका प्रबन्धन करे ताकि भूमि की उचित शर्कित की बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकता। उन्होंने वैज्ञानिकों से आवाजन किया कि वे ऐसी किसीमें विकसित करे जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

मेले की बैब्साइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यञ्जन विश्वविद्यालय के कूलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धुराया, कूलसाइब डॉ. जी.आर. कंबोज, विस्तर शिक्षा निदेशक डॉ. अर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहवाजत, चौधरी इंजीनियर भूमि सिंह, डॉ. राजवीर निहं, डॉ. सीमा गंगवा, विस्तर शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील दाढ़ा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार वार मेले की बैब्साइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के

माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में जिन मोबाइल नंबर के भी बैब्साइट को संबंधित थिए औपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इससे अलावा इस आवाजन किया वे वे पर्यावरण की बचाने के लिए पराली का न जालाएं। वैज्ञानिक तीके से इसका प्रबन्धन करे ताकि भूमि की उचित शर्कित की बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकता। उन्होंने वैज्ञानिकों से आवाजन किया कि वे ऐसी किसीमें विकसित करे जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद थे। मेले के समाप्त अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धुराया, कूलसाइब डॉ. जी.आर. कंबोज, विस्तर शिक्षा निदेशक डॉ. अर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहवाजत, चौधरी इंजीनियर भूमि सिंह, डॉ. राजवीर निहं, डॉ. सीमा गंगवा, विस्तर शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील दाढ़ा सहित सभी कृषि विभाग कीद्वारा के इच्छाएं व विभागात्मक मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	14.10.2020	--	--

### टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसानः गंगवा

पल पल न्यूजः हिसार, 14 अक्टूबर। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहाँ दूसरी ओर किसान को अर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बताए मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी



बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठ सकें और भूमि की उर्वरा शक्ति भी

पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। विस्तार शिक्षा निदेशक के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशक के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए। -



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	<b>15.10.2020</b>	--	--

एचएयू में दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला संपन्न, 32 हजार किसानों ने उठाया लाभ

**‘टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान’**

सच कहूँ/संदीप सिंहमार  
हिसार।

गिरो भूमिगत जल स्तर व कानूनी होती जमीन की उच्चरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाइ देना फसल विविधिकण को अनानन्द देगा। ऐसा करने से एक ओर जहाँ पानी की चतुर होगी वही दूसरी ओर किसानों को अधिक खाड़ी देगी यहाँ और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ज्ञान का ना तुकारा लो।  
वे विद्या ही हर्षाणम् विद्यामाप्ता ते  
उत्तमा श्री गौणांशु मनोगति न कोऽप्ता  
स्मृति विविद्यालयम् द्वारा आवृत्ति देस  
के द्वारा व प्रदाता के पहले वृच्छात्मक  
मेत्रे के साथ अपनाएं अपना वर्ती  
मुख्यालयी बोल रहे हैं। उन्होंने किसानों  
को जलाने की बाजार की पालन-पोषण  
द्वारा बढ़ावा दें तोका से ही परापरा  
जीवन प्रवर्धन के लिए ताकि परमार्थ  
प्रदूषण से से बचाया जा सके और  
भूमि को उंडवा करने की बातें ले  
विविद्यामाप्ता आजाएं तो किसानों



“समाज अत्यार पर दृश्यमा विभावनाएँ के आक्षय खालीर सिंह गंगा त अन्ना”

मेले की वेबसाइट को भिले डेंड लाख से अधिक द्वाज

विसरण शिक्षा निवेदिताय के साथ एक-दूसरे का अपनाया जाता है। नारा इत्युपरि एक नारा-सुनील द्वारा ने बताया कि इस वर्ष अलंकृत में भी एक लाख 56 लाख वाराणसी में की वैशाखी का दिन गया। उद्दीपन बताया कि इस वर्ष अलंकृत में भी एक लाख 32 हजार विदेशी ने अपने विदेशी को माहात्म्य प्रसिद्धिकार्य कर्त्तव्य। हालांकां वाद में विन मोहाइन नंबर की वैशाखी का संकलन लिया जाने का दिन आया या। जिसमें अलंकृत से अधिक किया जाना शायद हो। उद्दीपन का शब्द कि इनके अंतर्में विदेशियों के द्वारा वर्ष अलंकृत में वैशाखी को 56000 वार विजित किया गया। इस में भी एक विदेशी से भी उनके किसान शामिल नहीं, जिसमें यूरोप, चीन व अमेरिका के कांस्ट्रक्टर्स 370 लाख विजित हुए।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	<b>14.10.2020</b>	--	--

दिसाएः-आल्पपाल

हिन्दू वीरगांड 15 अक्टूबर 2020

3

## **एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन, मेले में करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण**

ट्रैनिंग | शिखार

पिरते भूमिगत जल स्तर का होता जापनी की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टापुक सिंचाई व फसल विधिविधकरण को अपनाना होगा। ऐसे करने से एक और जहां पानी की बचत होगी वहां दूसरी ओर किसानों को आविष्कार विधिविधकरण और पर्यावरण की मुद्रा सुधारना होगा। ये बिचारा झारखंड विधानसभा के उपराज्यक श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा-



ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद  
वर्षानुसार सभी में से के लिए अवधार  
एवं विद्यालयों के कुछ प्रतिक्रिया के  
प्रियों कार्यक्रमों में शामिल हैं। ए.एस.  
रिपोर्टरियु, कार्यक्रमों की ओर,  
ए.एस. तुग्गा, अनुसंधान विभाग की  
एवं ठें, विद्यालय, पीथी इंजीनियर और  
हिंदू, डॉ. राजेश बाबू, एवं डॉ. राजीव,  
विद्यालय विद्यालयों के लिए  
विद्यालय (विद्यालय प्रबन्धन के)। द्वितीय  
ठाकुर शंखराम लाली की विद्यालय कोडों की  
इच्छा द्वारा विद्यालय की विद्यालय है। इस  
कार्यक्रम में रेस एवं रेस ले विद्यालय  
प्रबन्धन को आवश्यकता पड़ती है।

आगामी दरा के दूसरे व प्रसार के पहले बचतानि कृपा में के ममान्तर से अपने पांच बचतानि कृपा में बदल रहे हैं। उनको किसने से आहुन किया वि-  
वे थान की पराली को जलाने की बजाय  
कृपा वैष्णवीकारा ब्रह्म वाता, गर तकनी का तावि-  
ती पराली का वैष्णवीकारा ब्रह्म होने से बचाया जा-  
सके और भूमि की उर्धव शरण भी बचा-  
रे। विष्णवीकारा उपायक्षम ने किसने विष्णवीकारा-  
अपनाने के साथ-साथ विष्णवीकारा

वर्षभूत रुपी को लेके के उपरान्त अक्षर पर हाथियां विद्युतलाना के उत्तराभूत रुपान्तरण ऐसी तरफ दिया गया था। अतः एक दूसरा अनुभव

द्वारा विवरित फलों व सक्षमियों की आधुनिक विस्तों की जीव व वर्णनोंको अपश्रृंग तात्पुरता से अधिक वर्णन से उत्पन्न होता रहा। इससे प्रामाणीयत्वे श्री दर्शन मोदी को विस्तार की आय को ठोक्का करने के लालों को बदलती भिस्तों उठाने की कठिनाई से विस्तारित विवरिति करने में भी अपेक्षा तक वास्तव में अपकार समझा गया। उठाने वाले के सफर समाप्त होने के बाद विश्वविद्यालय के कुलाब्धि सभार में उठ रही विश्वविद्यालय की सदस्यों की ओर करने को सहायी महामारी की चुनौती के बावजूद विद्यार्थियों के द्वि-

भूमि की तरह  
सके और भूमि  
वाया जा सके।  
तब हीने से भी  
विनाश महादेव  
जी की कि वे  
जार को ध्यान  
देने वाले  
प्रभुओं के ब  
गुणवाका ध्यान रखें कि उनके  
फलस का उचित मूल्य मिल सके और  
उनकी आपादान  
में बढ़ावारी हो सके।  
विनाश देता प्रयासमति भी नहें  
भूमि की भी निराकरण  
करने की से अहम किया कि वे ऐसी  
विनाशक से अहम किया कि वे ऐसी  
विनाशक से अहम किया कि वे ऐसी  
विनाशक से अहम किया कि वे ऐसी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.10.2020	--	--

### टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : गंगवा

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन, करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। गिरो भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उच्चरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाने होगा। ऐसा और भूमि की उच्चरा शक्ति भी होगी।

करने से एक और जहां पानी की बचत विधानसभा उपायक्षम ने किसानों से विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना दी है। और दूसरी ओर किसान को आर्थिक जीविक जीती व कृषि विविधिकरण और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की फायदा भी होगा और पर्यावरण भी अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा जुनौती को अवसर में बदलकर किसानों सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विकासित फसलों व समिजियों की

विधानसभा के उपायक्षम श्री रामवीर सिंह आधुनिक किसानों के बीज व तकनीकों की गंगवा ने कहे। ये बुधवार को चौथी चरण अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों

सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा से उपायक्षम इसका नियमित कर सकें।

आयोजित दिन के दूसरे व प्रदीप के पहले इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विस्तार शिक्षण निदेशालय के सह-

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर किसानों की आवाज को दोण्णा करने के बर्ताएँ मुख्यालियत बोल रहे थे। उन्होंने लक्ष्य को मजबूती मिलाया।

उन्होंने बोला ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के बाद जलाने से आहुन किया कि वे खान को किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि

पराली को जलाने की बजाए कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर वेबसाइट को देखा गया।

उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर

पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि लाभ डूढ़ा सकें। उन्होंने मेले के सफल 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर

पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के

पराली को जलाने की बजाए कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर वेबसाइट को देखा गया।

उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर

विश्वविद्यालय के कूलपति के विशेष

कार्यकारी अधिकारी अंग एम.एस.

### पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यालियत का कार्यक्रम में अनिलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आहुन किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उच्चरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में भौजूट मित्र कोटीं भूमि की बचाया जा सके। इसमें पर्यावरण प्रदूषण होने से भी बचाया जा सकता है। कूलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का विविध मूल्य मिल सके और उनकी आमदानी में बढ़ोत्तरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री भी भी निरंतर प्रयाससंत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहुन किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी सिद्धपूरिया, बहुसंचिव डॉ. वी.आर. वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया कर्बोज, वित्तान शिक्षा निदेशक डॉ. गया था, जिसमें अधिक से अधिक आर.एस. हुड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भौंप्रद इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा राती, वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को विद्यार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुमील दंडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान अनिलाइन रूप से शामिल हुए।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर

विश्वविद्यालय के कूलपति के विशेष

कार्यकारी अधिकारी अंग एम.एस.

प्रश्नावाक्य, सुनक, संवाद अधिकारी जारी के लिए भेजे गए, जल संरक्षण संस्थानों को विभागों के समीक्षा के लिए विदेश से विदेश से प्रकल्पित किया। संवादक-अधिकारी जारी

RNI : HARHIN/2014/611130

किसी भी विदेश का न्याय होना होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून पंजाबी	14.10.2020	--	--

### ਹਿਸਾਰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਵਰਚੁਅਲ ਖੇਤੀ ਮੇਲਾ ਆਰੰਭ



ਕਿਸਾਨ ਮੇਲੇ ਦੌਰਾਨ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਵਿਗਿਆਨੀ

30 ਤੇਜਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਰਸਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਕਰਵਾਈ।  
ਕਾਲੀਪ ਸਿੰਘ ਮੰਤ੍ਰੀ  
ਟੋਡਾ, 14 ਅਕਤੂਬਰ  
ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਰਸਿਟੀ ਕਿਸਾਨ ਦਾ  
ਪਹਿਲਾਂ ਕੌਮੀ ਪੱਧਰ ਦਾ ਵਰਚੁਅਲ  
ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੇਲਾ ਹਿਰਾਨ ਵਿੱਚ ਆਰੰਭ  
ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਹਿਲੇ ਦਿਨ ਇੱਕ ਲੱਭ  
ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਵਿਧੂ ਦਿੱਤੇ। ਮੇਲੇ ਦਾ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਕਤ ਮੁਹੱਈ  
ਦਲਾਲ ਨੇ ਆਜ਼ਾਦੀਨ ਕੌਰ ਸੇ.ਪੀ.  
ਮੰਤ੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਨੂੰ ਚੜ੍ਹਾ  
ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤ੍ਰੀ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ ਪੜ੍ਹ ਕੇ  
ਮੁਦਾਇਆ।

ਸੇਪੀ ਦਲਾਲ ਨੇ ਉਦਘਾਟਨ ਮੇਲੇ  
ਕਿਸਾਨ ਕਿ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਦੇ  
ਮੰਨ੍ਹਤਾਵਾਂ ਦੇਖ ਕਰ ਦੇ ਉਦਯੋਗ ਪੰਦੇ  
ਮਾਰ ਹੋਣ ਆਏ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ  
ਦਾ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਹੋਣਾਂ ਪਾਇੰਦਾਂ 'ਤੇ  
ਚਲੀ ਗਈ। ਮਾਨਾਮਾਨੀ ਦੌਰਾਨ ਜਾਂ  
ਆਵਿਕ ਸੰਕਟ ਹੋਣ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤਾਂ  
ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਮਿਹਨਤ ਨੇ ਦੋਥੁੰਹਾਂ  
ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਬਚਾਉਣ ਵਿੱਚ ਅਹਿਮ  
ਗੁਣਿਕਾ ਨਿਭਾਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ  
ਦੀ ਪਿੱਠ ਬਧਾਊਂਦਿਆਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ

ਦੇ ਨਾ ਪੁੱਜਣ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼  
ਆਨ ਲਾਈਨ ਪੋਕੀ ਰੀਤਾ। ਇਸ ਵਿੱਚ  
ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ  
ਕੁਲਪਤੀ ਸਮਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਖੇਤੀ ਕੌਰ ਨੂੰ  
ਅੱਕਲ ਦੌਸ਼ਦਿਆਂ ਦੇਂਦੀ  
ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਨੂੰ ਛੁੱਟੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ  
ਆਪਿਨਾ ਤਕਨੀਕ ਦਾ ਲਾਭ ਦੇਣ  
ਲਈ ਸ਼ਕਤੀ ਬਣਾਉਣ 'ਤੇ ਕੋ ਵਿੱਚਾ।  
ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤ੍ਰੀ ਸੇਪੀ ਦਲਾਲ ਨੇ  
ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਨੂੰ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਕਿ  
ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਕਤ ਮੁਹੱਈ ਉਨ੍ਹਾਂ  
ਕਿਸਮ ਦੇ ਬੀਜ/ਤਕਨੀਕ ਵਿਵਸਤ  
ਕੌਡੀ ਜਾਂਦੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੀ  
ਆਸਾਨ ਵਿੱਚ ਬਾਧਾ ਹੋਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ  
ਡਾਕਾਨ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਗਹਿਰਾਂ 'ਤੇ  
ਸ਼ਬਦਿਆਂ ਵਿੱਚ ਬਾਧਾ ਕਰਨ ਦਾ  
ਮੇਲਾਨ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨ  
ਡਸ਼ਤੀ ਚੰਕਿਤ ਛੱਡ ਕੇ ਖੇਤੀ  
ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਸੋਹੀਆਂ 'ਤੇ ਖੇਤੀ  
ਕਰਨ। ਮੰਤ੍ਰੀ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ  
ਅੰਧ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕੌਰ। ਇਸ  
ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਡਸ਼ਤੀ/ਬਾਹਸੀਆਂ ਦੇ  
ਬੀਜ ਚੁੱਕ ਕਰਵਾ ਸਕਣਗੇ।  
ਵਰਚੁਅਲ ਖੇਤੀ ਮੇਲੇ ਵਾਸਤੇ 30  
ਤੇਜਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਰਸਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ  
ਕਰਵਾਈ ਸੀ। ਮੇਲੇ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਲੱਭ  
ਵਿਧੂ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਗਏ।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	04	01-05

# खेतीबाड़ी • वैज्ञानिक दे रहे अकट्टबर में गाजर, मूली, शलगम की खेती करने की सलाह गाजर, शलगम की खेती से आमदनी बढ़ाएं किसान, मूली की हिसार स्वेती किस्म से पाएं अच्छी पैदावार

- ऑनलाइन भी किसानों को विभिन्न किस्मों के बारे में दी जा रही जानकारी

महसूब अर्जी | हिसार

प्रदेश में जड़ वाली फसलों गाजर, मूली, शलगम की अकट्टबर में बुवाई कर किसान अधिक आमदनी बढ़ा सकते हैं। एचयू के वैज्ञानिक किसानों को बुवाई की सलाह दे रहे हैं। तीनों के सेवन से आंखों की सेहत को भी सुधारा जा सकता है।

गाजर की हिसार गैरिक और पूसा केसर की बुवाई कर किसान प्रति एकड़ 100 से लेकर 110 प्रति किवंटल तक की पैदावार ले सकते हैं। मूली की हिसार स्वेती किस्म से प्रति एकड़ 140 किवंटल तक पैदावार पा सकते हैं। एचयू के कुलपति डॉ. समर सिंह ने बताया कि किसानों को शलगम, मूली गाजर की बुवाई के तरीके ऑनलाइन भी समझाएं जा रहे हैं।



### मूली की प्रमुख किस्में

**पूसा घेतकी :** इस किस्म को गर्मी में भी लगाया जा सकता है, क्योंकि यह किस्म अधिक तापमान को सहन कर सकती है। 40 से 45 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

**हिसार स्वेती :** यह एक अग्रेती किस्म होती है। पैदावार 120 से लेकर 140 प्रति किवंटल तक होती है।

### शलगम की प्रमुख फसलें

**हाइट :** यह अग्रेती व देशी किस्म 60 दिन के अंदर खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार 80 किवंटल प्रति एकड़ तक होती है।

**पर्फल टॉप हाइट ग्लोब :** यह यूरोपियन किस्म पछेती बिजाई के लिए उपयुक्त है। इसमें 90 किवंटल प्रति एकड़ तक पैदावार हासिल की जा सकती है।

### गाजर की प्रमुख किस्में

**पूसा केसर :** यह केसरिया रंग की अग्रेती व देशी किस्म है। इसमें पत्तों का भाग कम होता है। इसकी पैदावार 100 किवंटल प्रति एकड़ है।

**हिसार गैरिक :** यह एशियाई किस्म है। इसकी पैदावार 110 किवंटल प्रति एकड़ तक होती है।

**नैटिस :** यह यूरोपियन किस्म है। इसकी उत्पादन क्षमता 100 किवंटल प्रति एकड़ है।

**खाद व उर्वरक :** एचयू के वैज्ञानिकों के अनुसार तीनों फसलों में लाभग 20 टन गोबर प्रति एकड़, 24 किग्रा. नाईट्रोजन, 12 किग्रा. फास्फोरेस, प्रति एकड़ व गाजर में 12 किग्रा. पोटाश प्रति एकड़ देना आवश्यक है। मूली व शलगम में पूरी खाद बिजाई के समय डालनी है और गाजर में अधी नाईट्रोजन व पूरा फास्फोरेस एवं पोटाश बिजाई के समय तथा शेष नाईट्रोजन बिजाई के 3 से 4 सप्ताह बाद खड़ी फसल में डालकर मिट्टी चढ़ा दें।

**खेत तैयारी :** समतल खेत में दो तीन गहरी जुताई करें, ताकि गोबर की खाद भली प्रकार से मिल जाए इसके बाद पट्टा लगाएं, ताकि नभी बनी रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	04	01-06

**रिचर्च-** हरियाणा में सिरसा की एमडी बॉयोकॉल्ज प्रा. लि. को सौंपी कैप्सूल बेचने की जिम्मेदारी, कॉल कर घर भी मंगवाया जा सकेगा कैप्सूल अब पराली जलाने से किसानों को मिलेगी निजात, आईसीएआर के वैज्ञानिकों ने तैयार किया पूसा डी कंपोजर कैप्सूल, 20 दिन में ही पराली को गलाया जा सकेगा

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रदेश के किसानों को अब पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पराली को खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। आईसीएआर नई विल्टी के माइक्रो बॉयोलोजी विभाग के वैज्ञानिकों ने पूसा डी कंपोजर कैप्सूल तैयार किया है। इससे 20 दिन में ही पराली को खेत में ही प्रबंधन किया जा सकता है। 15 दिन बाद खेत में फसल की बुढाई भी की जा सकती है। कैप्सूल से जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाने में भूमिका निभाएगा। एस कैप्सूल की कीमत मात्र बांस रुपए है। चाहे कैप्सूल से कीब ढाई एकड़ में पराली प्रबंधन किया जा सकता है। आईसीएआर ने सिरसा की एमडी बॉयोकॉल्ज प्रा. लि. को सौंपी कैप्सूल बेचने की जिम्मेदारी सौंपी है। टोल फ्री नंबर पर कॉल कर किसिन कैप्सूल की होम डिलीवरी भी करा सकते हैं। किसानों को कृषि विभाग की ओर से भी कैप्सूल के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कैप्सूल को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डा. के अनन्पूर्ण बताती है कि कैप्सूल जो पराली को खेत में ही नष्ट कर देगा। कैप्सूल को पाच लीटर गुड के बाल में मिलाया जाएगा। इस घोल को पराली में से कर दिया जाए तो पराली 15 से 20 दिन के अंदर खेतों में ही गल जाएगी।

**जानिए... किस तरह काम करेगा डी कंपोजर कैप्सूल**

### पराली जलाने से वया होता है नक्षान

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह के अनुसार, पोषक तत्व की हानि, नाइट्रोजन, सल्फर, फास्फोरस, पोटाश व मिष्टी में मौजूद जैविक तत्व नष्ट होते हैं, जीवों और जैसे काबन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, ऑक्साइड उत्पर्जित होती है। एमडी बॉयोकॉल्ज प्रा. लि. के मैरिंग डायरेक्टर नरेश सेठी एवं डायरेक्टर मार्केटिंग राजेश सचदेवा ने बताया कि कैप्सूल की होम डिलीवरी भी शुरू करा दी है। टोल फ्री नंबर 18005723828 पर कॉल कर कैप्सूल को प्राप्त किया जा सकता है।

### सोशल मीडिया के माध्यम से भी किसानों को दी जा रही जानकारी

आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डा. के अनन्पूर्ण ने बताया कि पराली प्रबंधन बहुत ही जल्दी है। पराली जलाने से जहाँ सास रोगियों को दिक्कत होती है। वहीं पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी किसानों को कैप्सूल के बारे में जानकारी दी जा रही है।

एक टन पराली जलाने से कितनी जहरीली गैस उत्पन्न होती है

कार्बन डाई ऑक्साइड	1515	किलोग्राम
कार्बन मोनो आक्साइड	92	किलोग्राम
नाइट्रोजन आक्साइड	3.8	किलोग्राम
सल्फर डाई ऑक्साइड	0.4	किलोग्राम
मीथेन	2.7	किलोग्राम
गैर मीथेन ज्वलनशील तत्व	15.7	किलोग्राम
पराली जलाने से पोषक तत्व की हानि		
पोषक तत्व हानि %में		
नाइट्रोजन	89.2	पौटेशियम
फास्फोरस	5.5	सल्फर
		20.5